

Karel Plíhal - Kluziště (cd 1985)
Hudebna.com (arr. Jirka Hunyady)

Předehra: zároveň také refrén

C	Em/H	Am7	C/G
E ----- 0-----3----- s5--3--0----- -----0			
B 1-----1---3 ---0-----0 -----3 1-----3---			
G ---0----- ----- ----- ---0-----			
D ----- ----- ----- -----			
A 3----- 2----- 0----- -----			
E ----- ----- ----- 3-----			

Fmaj	C	D	G
E -----0 -----0 ---3--2---5 3-----0---			
B 1-----3--- 1-----3--- 3----- -----3			
G ---0----- ---0----- ----- ---0-----			
D 3----- ----- 0----- -----			
A ----- 3----- ----- -----			
E ----- ----- ----- 3-----			

C	Em/H	Am7	C/G
E ----- 0-----3----- s5--3--0----- -----0			
B 1-----1---3 ---0-----0 -----3 1-----3---			
G ---0----- ----- ----- ---0-----			
D ----- ----- ----- -----			
A 3----- 2----- 0----- -----			
E ----- ----- ----- 3-----			

Fmaj	C	Fmaj	C
E -----0 -----0 -----0 <u>3</u> -----			
B 1-----3--- 1-----3--- 1-----3--- ---1--- <u>1</u> -----			
G ---0----- ---0----- ---0----- -----0---0--- <u>0</u> ---			
D 3----- ----- 3----- -----2---2			
A ----- 3----- ----- 3-----			
E ----- ----- ----- -----			

C (Přechod do sloky)

E 3--0--1-----0-----
B -----3-----1--3--0 1...
G -----
D -----
A 3----- 3...
E -----

Sloka: opakuje se 4x

Strejček kovář	chytil	kleště,	uštíp	z noční oblo	-	hy	
C	Em/H	Am7	C/G	Fmaj	C	Fmaj	G
E ---0--- ---0--- ---0--- ---0--- ---0--- ---0--- ---0--- ---3---							
B ---1--- ---0--- ---1--- ---1--- ---1--- ---1--- ---1--- ---3---							
G --0---0- --0---0- --0---0- --0---0- --2---2- --0---0- --2---2- --0---0-							
D ----- ----- ----- ----- 3----- ----- 3----- -----							
A 3----- 2----- 0----- ----- ----- 3----- ----- -----							
E ----- ----- ----- 3----- ----- ----- ----- 3-----							

Ref: (stejně jako předehra, popř. Jednodušeji ve stylu sloky)

Karel Plíhal - Kluziště (cd 1985)
Hudebna.com (arr. Jirka Hunyady)

C x32010, Em/H x22000, C/G 332010, Am7 x02010, Fmaj xx3210, G 320033

C Em/H Ami7 C/G Fmaj C Fmaj G
1. Strejček kovář chytil kleště, uštíp z noční oblohy
C Em/H Ami7 C/G Fmaj C Fmaj G
jednu malou kapku deště, ta mu spadla pod nohy,
C Em/H Ami7 C/G Fmaj C Fmaj G
nejdřív ale chytil slinu, tak šáh kamsi pro pivo,
C Em/H Ami7 C/G Fmaj C Fmaj G
pak přitáhl kovadlinu a obrovský kladivo.

C Em/H Ami7 C/G
R: Zatím tři bílé vrány pěkně za sebou
Fmaj C D G
kolem jdou, někam jdou, do rytmu se kývají,
C Em/H Ami7 C/G
tyhle tři bílé vrány pěkně za sebou
Fmaj C Fmaj C
kolem jdou, někam jdou, nedojdou, nedojdou.

2. Vydal z hrdla mocný pokřik ztichlým letním večerem,
pak tu kapku všude rozstřík' jedním mocným úderem,
celej svět byl náhle v kapce a vysoko nad námi
na obrovské mucholapce visí nebe s hvězdami.

R: Zatím tři bílé vrány...

3. Zpod víček mi vytrysk' pramen na zmačkané polštáře,
kdosi mě vzal kolem ramen a políbil na tváře,
kdesi v dálce rozmazaně strejda kovář odchází,
do kalhot si čistí ruce umazané od sazí.

R: Zatím tři bílé vrány...